an>

Title: Need to impose ban on import of Chinese syrup.

श्री हुकुम सिंह (कैराना) : अध्यक्ष महोदया, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विÂषय सदन में उठाना चाहता हूं जो कि देश के मधुमक्खी पालकों से संबंधित है। भारतवÂर्ष का शहद कभी बहुत मशहूर हुआ करता था और विदेशों में भी इसकी मांग होती थी। हमारे शहद को आर्गेनिक रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था लेकिन आज के समय में शहद में इतनी मिलावट बढ़ गई है कि शहद ने अपनी सारी उपयोगिता खो दी है। राइस सिरप, कॉर्न सिरप आदि कई प्रकार के सिरप बाहर से आ रहे हैं और विशेÂ◌ा रूप से चीन से ऐसे सिरप आ रहे हैं। इन्होंने शहद का रूप धारण कर लिया है और इन्हें शहद में मिलाकर बाजार में बेचा जा रहा है। इस वजह से लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। इसी तरह से देश में अच्छे-अच्छे ब्रांड्स द्वारा विज्ञापन करके शहद बेचा जा रहा है, परीक्षण में पता चला है कि वे भी मिलावटी हैं।

मेरा आपसे आग्रह है कि मेरे लोक सभा क्षेत्र कैराना में लगभग दस हजार मधुमक्खी पालक हैं। आज उनके जन-जीवन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। वे बेरोजगार हो रहे हैं। सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए कि विदेशों से जो सिरप आ रहा है और हमारे यहां भी शहद में जो मिलावट हो रही है, इसे रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करे और इसे रोकने की कोशिश करे। खेती में भी मधुमक्खियों का बहुत महत्व है। इस मिलावट की वजह से मधुमक्खियां भी समाप्त होती जा रही हैं और शहद के रूप में हमारा जो बाजार था, वह भी समाप्त होता जा रहा है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस संबंध में तुरंत कार्रवाई करे।

माननीय अध्यक्ष: श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री हुकुम सिंह द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।